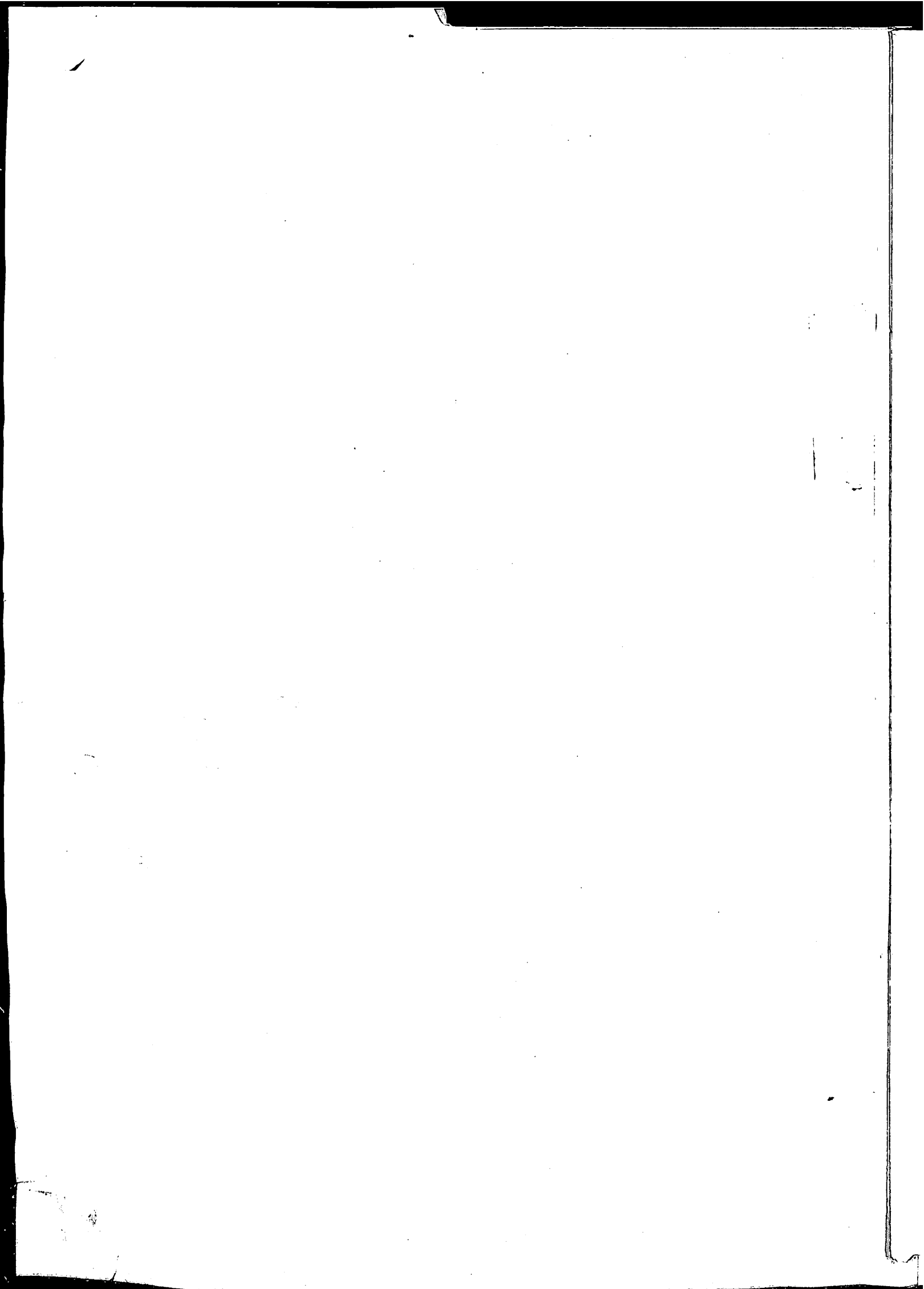






कुल पृष्ठ संख्या-32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या.....18686

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. in English

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☒ अंग्रेजी ☐

विषय कृषि रसायन विज्ञान

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 22/03/2025

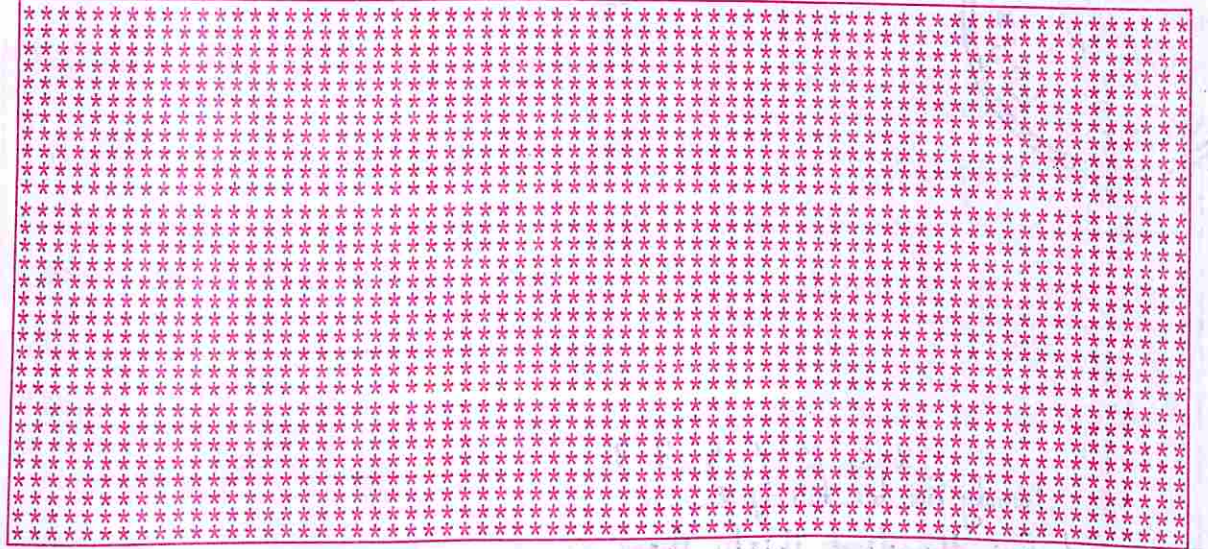
नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : $15\frac{1}{4}$ को 16, $17\frac{1}{2}$ को 18, $19\frac{3}{4}$ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर..... संकेतांक 3 4 9 2 6

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	9	19	-
2	5	20	-
3	10	21	-
4	$1\frac{1}{2}$	22	-
5	$1\frac{1}{2}$	23	-
6	$1\frac{1}{2}$	24	-
7	$1\frac{1}{2}$	25	-
8	$1\frac{1}{2}$	26	-
9	$1\frac{1}{2}$	27	-
10	$1\frac{1}{2}$	28	-
11	$1\frac{1}{2}$	29	-
12	$1\frac{1}{2}$	30	-
13	$1\frac{1}{2}$	31	-
14	3	योग	56
15	3	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	4	56 द्वापन	
18	4		



परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाइन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :-
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस-पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड उत्तरों को स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



‘खण्ड - अ’

1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र० 1	
$\frac{1}{2}$	i) →	[स] हीमेटाइट ।
$\frac{1}{2}$	ii) →	[अ] 5 ।
$\frac{1}{2}$	iii) →	[ब] $(\text{COOH})_2$ ।
$\frac{1}{2}$	iv) →	[द] लुमस ।
$\frac{1}{2}$	v) →	[अ] प्रदूषण आवेश ।
$\frac{1}{2}$	vi) →	[अ] 8 ।
$\frac{1}{2}$	vii) →	[ब] 6.0 - 7.5 ।
$\frac{1}{2}$	viii) →	[स] H_2SO_4 ।
$\frac{1}{2}$	ix) →	[स] डी. ग्यासर ।
$\frac{1}{2}$	x) →	[द] Fe, Zn, Mn ।
$\frac{1}{2}$	xi) →	[अ] H_2PO_4^- ।
$\frac{1}{2}$	xii) →	[स] 46.0 ।
$\frac{1}{2}$	xiii) →	[ब] 15 दिन ।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर

$\frac{1}{2}$ xiv) [अ] पॉलीपेप्टाइड ।

$\frac{1}{2}$ xv) [अ] 7.29 ।

$\frac{1}{2}$ xvi) [अ] 3.5 ।

$\frac{1}{2}$ xvii) [द] मालेन ।

$\frac{1}{2}$ xviii) [अ] 1.028 ।

प्रश्न 2 रिक्त स्थान की पूर्ति -

$\frac{1}{2}$ i) → प्राकृतिक पिण्ड

$\frac{1}{2}$ ii) → सुक्ष्म दर्शी

$\frac{1}{2}$ iii) → राइबोबीयम

$\frac{1}{2}$ iv) → किसान खाद (CAN)

$\frac{1}{2}$ v) → 20.2 % / 21

$\frac{1}{2}$ vi) → 16 %

$\frac{1}{2}$ vii) → विषय

$\frac{1}{2}$ viii) →



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		<u>प्रोटीयॉस</u>
1	viii)→	
1	ix)→	<u>संतुलित</u>
1	x)→	<u>अदलहनी फसली में</u>
	प्रश्न 3	<u>अतिलघुत्तरात्मक</u>
	i)→	आग्नेय चट्टान → ताप के कारण पीघला हुआ लावा पृथ्वी के अन्दर व बाहर ठोस रूप में जम जाता है। यह अन्य चट्टानों की जन्मदात्री होती है।
	ii)→	अमोनीकरण → इसके अन्तर्गत मेमीनो अम्ल टुटकर अमोनीयम बनाते हैं, अमोनीकरण कहलाते हैं।
	iii)→	मृदा में पाये जाने वाले चार ऋणायन → Cl^- , F^- , Br^- , I^- आदि। <u>H_2PO_4^-, SO_4^{2-}, OH^-</u>
	iv)→	सोडियम सरीसरेट → <u>$\text{C}_2\text{H}_5\text{OONa}$</u>
	v)→	अम्लीय मृदा → वे मृदा जिसकी <u>pH - 7</u> से कम हो, अम्लीय मृदा कहते हैं।
	vi)→	



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	vi)→	पाँचों में कैल्शियम पोषक तत्व - यह कोशिका झिल्ली का निर्माण करता है। कार्य → यह मूदा में आवश्यक होता है, जो मूदा (Soil) की उदासीन बनाने का कार्य करता है।
	vii)→	मूदा कौलांड के कणों का व्यास → <u>500 उच्चतम मिली माइक्रोन</u> 100 - 1000 मिली माइक्रोन
	viii)→	नाइट्रेट अवरक → i) <u>अमोनियम नाइट्रेट</u> ii) <u>कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट</u>
	ix)→	दो पीड़कनाशी → (डाई क्लोरो डाई फेनाइल डाई क्लोरो मैथेन), मल्ट्रिन T व BHC (बेन्जीन हक्ला क्लोराइड)
BSR-177/2004	x)→	गोण्ड दूध में वसा की न्यूनतम मात्रा → वसा - <u>3.0 %</u> होती है।

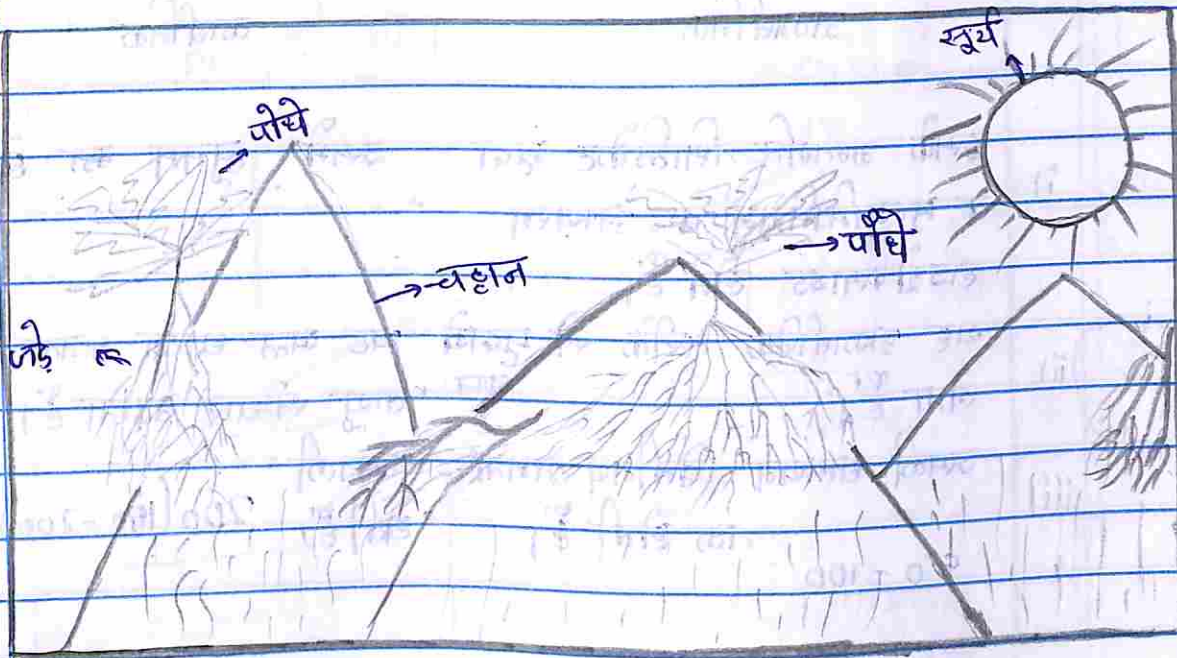


परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र०
4



प्र०
5

लुप्त के निम्न गुण →

- i) लुप्त का कार्बन : नाइट्रोजन होता है।
- ii) लुप्त एक कार्बनिक कोलाइड 10:1 है जिसकी घनत्व विनिमय क्षमता होती है।
- iii) यह मृदा में 200 (150 - 300) वायु संचार व मृदा को बढ़ाता है।
- iv) CEC लुप्त अम्लीय होता है।

प्र०
6

अकार्बनिक (inorganic) कोलाइड व कार्बनिक (organic) कोलाइड निम्न हैं।



7 - 5005

6

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	अकार्बनिक	कार्बनिक
		इसके अन्तर्गत सिलिकेट मृदा व मल्युमिनियम व आयरन हाइड्रोक्साइड होते हैं। यह अकार्बनिक तरीके से मृदा में होता है। इसकी धनायन विनिमय क्षमता तक होती है, 50 - 100	इसमें <u>ह्यूमस</u> का होता है। यह पल्ल धारण क्षमता व वायु संचार बढ़ाता है। इसकी <u>200 (150-200)</u> तक

BSER-17/7/2024

प्र. 7

दो निम्न कारक →

- i) मृदा pH ii) पैतृक पदार्थ की प्रकृति

i) मृदा pH → मृदा में प्रभावित करती है। pH धनायन विनिमय क्षमता को प्रभाव देगी जिससे कम होने पर मृदा अम्लीय होगी जिससे CEC पर भी प्रभाव पड़ेगा और CEC पर बुरा प्रभाव होगा।

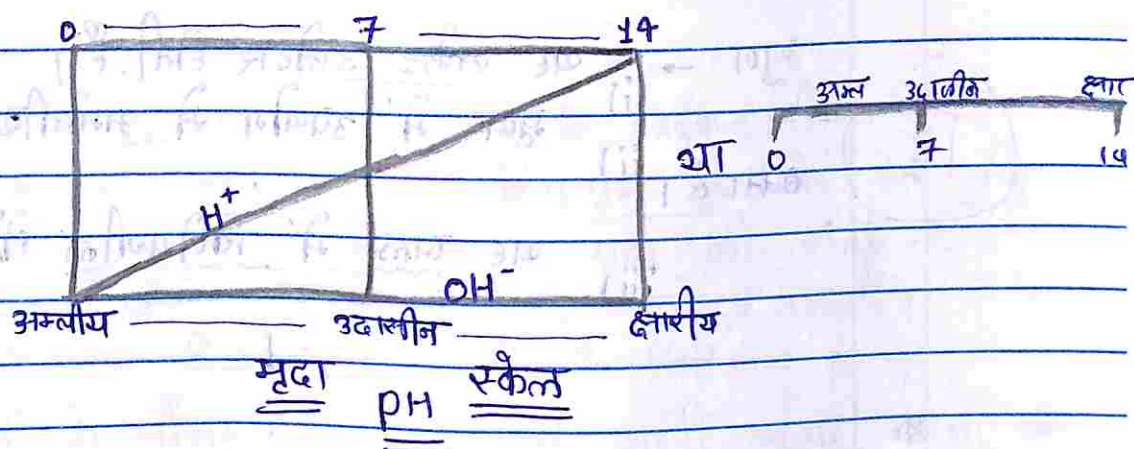
ii) पैतृक पदार्थ की प्रकृति → मृदा की पैतृक पदार्थ अधिक प्रभावीतर करती है। यदि मृदा की पैतृक CEC प्रकृति अम्लीय होती है तो मृदा की अम्लीय ही होगी।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र०
8

pH की सीमा - G.P.L. Sorbence ने की।

प्र०
9

अम्ल

- अम्लता का पौधों पर प्रत्यक्ष प्रभाव → इसके कारण पौधों में विषैला प्रभाव होता है।
- पौधों की पत्तियाँ मुरझा जाती हैं।
- मृदा में चुना डालने पर मृदा में अम्लता कम होती है।
 - मृदा के उपरसस्तर में अल्पविघटित पदार्थ होते हैं;
 - जैसे हम खुली आँखों से देख सकते हैं।
 - अगर मृदा में NH_4^+ , Ca^{+} इन्हीं मृदा की सतह से चिपके रहते हैं।
 - मृदा में पौधों की पत्तियों पर अम्लता के लक्षण प्रकट होते हैं।

प्र०
11

सूत्र →



नमी की मात्रा →

नाइट्रोजन की मात्रा 1 %

46 %



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

बाई गुरैट

→ 1.5 %

गुण → यह सफेद दानेदार होती है।

i) मूत्र में उपयोग से अमोनीयम व नाइट्रेट बनता है।

ii) यह प्रल में विलेयशील होती है।

प्र. 12

→

मूत्राश्रम के गुणधर्म

यह अभिक्रिया की दर को

i) यह शरीर का तापमान 40 गुना तक बढ़ाते हैं।

ii) सामान्य 37°C तक घटाते हैं।

iii) pH 6-8 पर अधिक सक्रिय होती है।

iv) यह मूत्राश्रम की अभिक्रिया को उत्तेजित करता है।

प्र. 13

→

गोबर की खाद के मुख्य घटक -

इसके अन्तर्गत सबसे पहले गोबर में बिछावन (पुआल)

इसके बाद भू गाय - भैंस का गोबर व मूत्र आदि आते हैं।

लम्बा

1 cm

गहरा बनानी

1 cm

चोंग व

गहरा

डालकर सड़ने के लिए रखना व

तैयार हो जाती है।

मूत्र

जिसमें गोबर 3 cm व बिछावन

मूत्र

6 माह में खाद



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

प्र. 14

→

लवणीय मृदा के जैविक सुधार के प्रबन्धन निम्न हैं -
प्रबन्धन → लवणीय मृदा में पृष्ठ मृदा के उपर सफ़ेद पपड़ी का जमना, जिसके लिये मृदा की सतह को खुरचना जो 0-15 या 0-8 cm तक है।

गर्मी के मौसम में मृदा की गहरी जुताई करना व हरी खाद या वर्मिकल्चर, गौबर की खाद का उपयोग करना चाहिए।

मृदा में फल्वारा विधि का प्रयोग करना क्योंकि कम वर्षा वाली जगह पर लवणीय अथवा क्षारीय मृदा होती है जिस कारण से फल्वारा विधि अपनानी चाहिए।

इसमें मृदा चिकनी होती है व सुखने पर दरारे बन जाती हैं जिस कारण से जुताई अच्छी करना।

प्र. 15

→

ध्वनि प्रदूषण → प्रभाव → ध्वनि प्रदूषण एक घातक व गंभीर समस्या होती है।

अस इसके निम्न प्रकार है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

- i) सामान्य ii) सहनीय iii) असहनीय

i) सामान्य → मनुष्य सामान्यतः
ध्वनि को सहन कर सकता है। 10-20 db (डेसीबल)
जैसे → सामान्य बोलचाल, भीड़ की ध्वनि आदि।

ii) सहनीय → मनुष्य
है। 20-40 db ध्वनि सहन कर सकता
है। जैसे → टी. वी. की ध्वनि आदि।

iii) असहनीय → यह
मनुष्य सहन नहीं कर सकता 80-90 db ध्वनि होती है जिसे
जैसे → ज्वालामुखी का विस्फोट होना, बिजली का कड़कना,
भूकम्प का आना।

इससे मनुष्य में निम्नलिखित रोग होते हैं:- चिड़चिड़ापन,
कानों में बेहरेपन का असर, हृदय सम्बन्धीत रोग

इसके स्रोत दो हैं:-

- i) प्राकृतिक स्रोत ii) कृत्रिम स्रोत।

i) प्राकृतिक स्रोत → ज्वालामुखी का विस्फोट, बिजली का
कड़कना, भूकम्प।

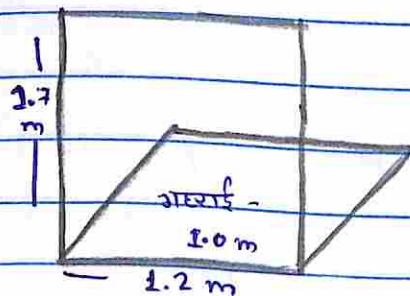
ii) कृत्रिम स्रोत → टी. वी., भीड़ की ध्वनि, सामान्य बोलचाल

प्र. 16
→

गोबर की खाद बनाने की ट्रेच विधि →

इसमें लम्बाई - चौड़ाई - गहराई रहती है 1.7 m, इसमें लम्बाई 1.2 m चौड़ाई को बढ़ा 1.0 m सकते हैं परन्तु गहराई 1.0 m ही रहती है। इसमें नालियाँ बनाकर खाद प्राप्त की जाती है।

ट्रेच विधि का चित्र -

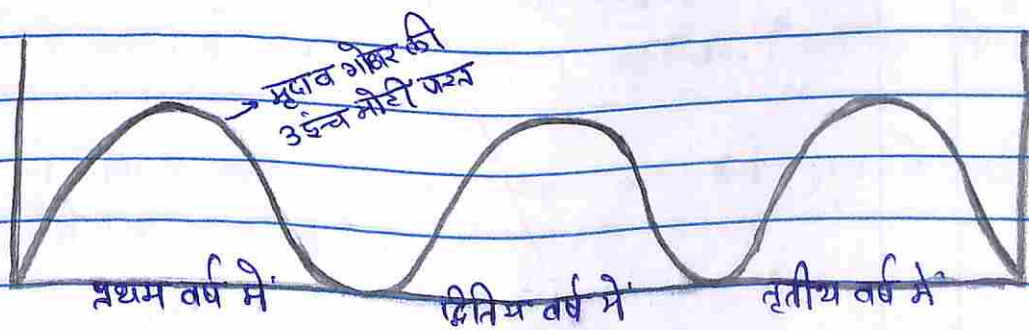


गोबर

बिछावन

मल-मूत्र

खाद में खाद निम्न तरीके से बनती है।



इसमें प्रथम वर्ष में इस गड्ढे को तैयार किया जाता है, जब द्वितीय गड्ढा बनना शुरू होता है तब पहले गड्ढे की खाद तैयार हो जाती है वगैरह।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

यह एक अवयुविक प्रक्रिया है जिसमें पहले बिछावन, फिर गोबर व मल-मूत्र गड्ढे में मिलाया जाता है। यह माह अर्थात् 90 - 120 दिन में बनकर तैयार हो जाती है। 3-4

(3) जब दूसरे गड्ढे की खाद बननी शुरू हो तब तक पहले गड्ढे की खाद तैयार रहेगी।

अन्तः इसमें डच मीरी गोबर व मूदा की परत छोड़ या गोलाकार आकार दिया जाता है।

BSIR-1772024

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

सी.बी.ई.

प्र. 18
→

रसायन
C. एड्स सोडियम फॉस्फाइट, सोडियम बाई कार्बोनेट, सोडियम सीलिकेट
दुग्ध आला में बर्तनों को साफ करने की विधि दो रसायन -
मानव निर्मित वैज्ञानिक विधि घोने का सोडा

i) ii)

i) मानव निर्मित वैज्ञानिक विधि → सुखी विधि →
इसके अन्तर्गत दुग्ध के बर्तनों को
पतली-सुखी रेत, राख, मृदा से साफ करके पोंछ लिया
जाता है। वास्तव में देखा जात्र तो यह विधि उत्तम है।

ii) वैज्ञानिक विधि → निर्जलीकरण प्रमुख है। (210-211°F तक गर्म)
आप देकर बर्तनों को साफ कर सकते हैं।
i) गर्म पानी द्वारा दुग्ध के बर्तन को धोया जाता है।
ii) डेयरी या बड़े फॉर्म में दुग्ध के बर्तनों को मल साथ
iii) किसी रसायन द्वारा साफ किया जाता है।

181 + 2
24
i) गर्म पानी द्वारा → पानी को उबालकर से बर्तनों को
धोया जाता है।

ii) आप द्वारा → निचे गर्म पानी रखेंगे व उपर से दुग्ध
के बर्तनों को धोया जायगा। यह मल वैज्ञानिक विधि है।

सल्लो नेल्विक मल्लोडल / टिपोल → यह भी दुग्ध के बर्तनों को
धोया जाने वाला रसायन है।

जिसके अन्तर्गत एड्स सोडियम फॉस्फाइट → 40 बार धोने के
लिप्त उपयोग किया जाता है।

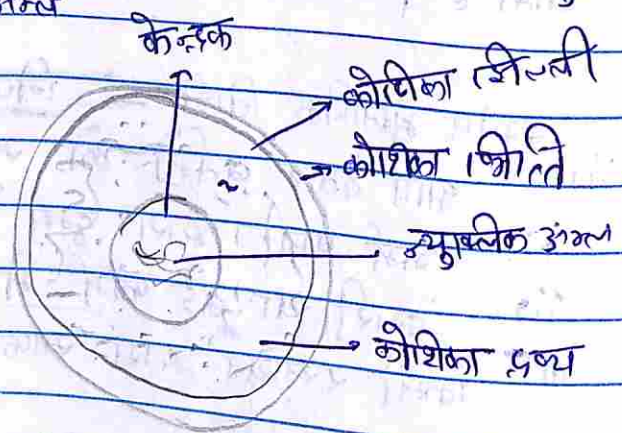
सोडियम बाई कार्बोनेट → बार उपयोग होता है।

सोडियम सीलिकेट → 20 बार।

बेकींग सोडा, डीटर्जेंट आदि का उपयोग।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र. 17	न्यूक्लिक अम्ल → समस्त जीवधारियों के गुणसूत्र व जीन न्यूक्लिक अम्ल के बने होते हैं।
		दो निम्न प्रकार -
	i) DNA	ii) RNA → राइबोज न्यूक्लिक अम्ल
	डी-ऑक्सी न्यूक्लिक अम्ल	



कोशिका की आन्तरिक संरचना ।

न्यूक्लिक अम्ल के शौणिक -

- i) शर्करा ii) कार्बनिक क्षार

i) शर्करा → यह दो प्रकार की होती है;

- i) 1 - राइबोज शर्करा

ii)

- ii) प्युरीन व पीरिमिडिन -

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

i) ज्यूरिन् → (A) मैडेनीन, ग्वानीन (G),
सायरोसीन (S), थुरेसीन (U) ।

ii) पेरीमीडिन → मैडेनीन (A), ग्वानीन (G), सायरोसीन
(S), थायमीन (T) ।

DNA व RNA में अन्तर -

i)

DNARNA

यह केन्द्रक में व गुणसूत्र में
पाये जाते हैं।
डी-ऑक्सीराइबोज अर्कसम होती
है।

यह कोशिका द्रव्य में पाया
जाता है।
इसमें राइबोज अर्कस होती
है।

DNA द्विलिप्य होता है।

RNA एक लिप्य होता है।

(खण्ड - व) का

10 Question

प्र-

10

पौधों में पोषक की कमी से पत्ते झरे हो जाते हैं।

i) आलू में स्टार्च की मात्रा कम हो जाती है।

ii) किसान को आर्थिक हानि उठानी पड़ती है।

iii) पत्तियों की जड़ कमजोर हो जाती है।

iv) फलों पर भी इसकी कमी के लक्षण दिखाई देते हैं।

v)

* समाप्त *



17

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या
-------------------------------	------------------

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या
-------------------------------	------------------

परीक्षार्थी उत्तर

MSIR-177 2024

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या
-------------------------------	------------------

परीक्षार्थी उत्तर

DSHR-177/2024

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या
-------------------------------	------------------

परीक्षार्थी उत्तर

BSHR-177/2024



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024



प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या
-------------------------------	------------------

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17/7/2024



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
-------------------------------	------------------	-------------------

BSIR-177/2024

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

